वाणिज्य में स्नातक (जनरल)
बी. कॉम (जी.)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

बी. सी. ओ. जी. -171: व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत

सत्रीय कार्य
2025–26

जाँच सत्रीय कार्य की अवधि - 1st जुलाई 2025 से 30th जून 2026

पंचम सत्र

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –**1100 68**

वाणिज्य में स्नातक जनरल (बी. कॉम. जी.)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

बी. सी. ओ. जी. -171: व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत

सत्रीय कार्य
2025–26

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस सत्रीय कार्य को तीन खंडों में विभाजित किया गया है । तीनों खंड अनिवार्य हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

1. वे छात्र जो दिसंबर 2025 के सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं , उन्हें 15 अक्टूबर 2025 तक जमा करवाना होगा।
2. वे छात्र जो जून 2026 की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं। वे उसको 15 मार्च 2026 तक जमा करवायें।

आपको सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत करना होगा।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**बी. सी. ओ. जी. -171**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**बी.सी.ओ.जी.-171/टी. एम. ए./2025- 26**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – क (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का हैं)

1. अधिमान वक्र को परिभाषित करें। अधिमान वक्र की मान्यताएं और विशेषताओं की व्याख्या करें। (10)

2. ह्रासमान सीमांत उपयोगिता नियम (तृप्य आवश्यकता नियम) और उसकी सीमाओं के सम्बन्ध में बताएं। (10)

3. मांग की कीमत लोच से क्या अभिप्राय है ? मांग की कीमत लोच के निर्धारक और महत्व को संक्षेप में समझाएं। (10)

4. उत्पादन संभावना वक्र की संकल्पना को स्पष्ट करें। इसकी मान्यताओं का उल्लेख करें तथा इसे किसी उदाहरण की मदद से प्रदर्शित करें। (10)

5. कुल, औसत और सीमांत उत्पाद की सहायता से परिवर्ती अनुपातों के नियम की व्याख्या किजिये। (10)

खण्ड – ख (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का हैं)

6. बाजार के लिए किसी वस्तु की मांग के प्रमुख निर्धारक बताइएं। (6)

7. अल्पकालीन औसत लागत वक्र U-आकृति का क्यों होता है? औसत लागत और सीमांत लागत में क्या संबंध है? उपयुक्त चित्रों का प्रयोग करें। (6)

8. पीछे की ओर झुका हुआ पूर्ति वक्र क्या है? उदाहरण सहित समझाइए। (6)

9. दीर्घकाल में एकाधिकारी का संतुलन निर्धारण समझाइए। (6)

10. सीमांत उत्पादिता सिद्धांत समझाइए। इसकी पूर्व धारणाएं भी बताइए। (6)

खण्ड – ग (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का हैं)

11. यथार्थमूलक और आदर्शक अर्थशास्त्र के बीच अंतर बताएं। **(5)**

12. समोत्पाद वक्र क्या है? समोत्पाद वक्र के क्या लक्षण है? **(5)**

13. किंक-युक्त मांग वक्र से यह जानने में तो सहायता मिल सकती है कि अल्पाधिकारी में अनम्य होने की प्रवर्ति क्यों होती है, परन्तु यह निर्धार्य संतुलन की ओर नहीं ले जाता। इस कथन के सम्बन्ध में अपना मत प्रकट कीजिये। **(5)**

14. केंस की ब्याज अवधारणा पर व्याख्या करें। **(5)**